मिर्च का मज़ा

कैसे समझाओगे?

- काबुलीवाले को सब्ज़ी बेचने वाली की भाषा अच्छी तरह समझ नहीं आती थी। इसलिए उसे अपनी बात समझाने में बड़ी मुश्किल हुई। चलो, देखते हैं तुम अपनी बात बिना बोले अपने साथी को कैसे समझाते हो? नीचे लिखे वाक्य अलग-अलग पर्चियों में लिख लो। एक पर्ची उठाओ। अब यह बात तुम्हें अपने साथी को बिना कुछ बोले समझानी है–

➢ मुझे बहुत सर्दी लग रही है।
➢ मेरे दाँत में दर्द है।
➢ अरे, ये तो बहुत कड़वा है।
➢ पार्क में चलकर खेलेंगे।
➢ उफ़ ये बदबू कहाँ से आ रही है।
➢ बिल्ली दूध पी रही है, उसे भगाओ।
➢ चलो, बाज़ार चलते हैं।
➢ चोर उधर गया है, चलो उसे पकड़ें।
➢ मुझे डर लग रहा है।
➢ अहा! लगता है कहीं हलवा बना है।

उत्तर इसे स्वयं करें।

सही सवाल

काबुलीवाले ने कहा–अगर ये लाल चीज़ खाने की है, तो मुझे भी दे दो।
सब्ज़ी बेचने वाली ने कहा–हाँ ये तो सब खाते हैं। ले लो।
इस तरह बेचारा काबुलीवाला मिर्च खा बैठा। तुम्हारे हिसाब से काबुलीवाले को मिर्च देखने के बाद क्या पूछना चाहिए था।

उत्तर काबुलीवाले को मिर्च देखने के बाद पूछना चाहिए था–ये लाल चीज़ मीठी होती है या तीखी।

जल या जल?

मुँह सारा जल् उठा और आँखों में जल भर आया।
यहाँ जल शब्द को दो अर्थों में इस्तेमाल किया गया है।
जल – जलना
जल – पानी
इसी तरह नीचे दिए गए शब्दों के भी दो अर्थ हैं।
इन शब्दों का इस्तेमाल करते हुए एक-एक वाक्य बनाओ पर ध्यान रहे–

- वाक्य में वह शब्द दो बार आना चाहिए
- दोनों बार उस शब्द का मतलब अलग निकलना चाहिए। (जैसे ऊपर दिए गए वाक्य में जल)

उत्तर
➢ हार – उसकी हार के बावजूद मैंने उसे हार पहनाया।
➢ आना – यहाँ आने में मात्र चार आने खर्च हुए।
➢ उत्तर – उत्तर देते समय उसका मुँह उत्तर की तरफ था।
➢ फल – फल खाने का फल अच्छा होता है।
➢ मगर – मगर पानी में है मगर मुझे कुछ नहीं करेगा।
➢ पर – पक्षी के पर कटे हैं पर वह सक्रिय है।

छाँटो

कविता की वे पंक्तियाँ छाँटकर लिखो जिनसे पता चलता है कि–

- काबुलीवाला कुछ शब्द अलग तरीके से बोलता था।

उत्तर तो हमको दो तोल छीमियाँ फकत चार आने की।

- काबुलीवाला कंजूस था।

उत्तर पर काबुल का मर्द लाल छीमी से क्यों मुख मोड़े? खर्च हुआ जिस पर उसको क्यों बिना सधाए छोड़े?

- मिर्च बहुत तीखी थी।

उत्तर मगर मिर्च ने तुरंत जीभ पर अपना ज़ोर दिखाया। मुँह सारा जल उठा और आँखों में जल भर आया।

- काबुलीवाले को मिर्च के बारे में नहीं पता था।

उत्तर लाल-लाल, पतली छीमी हो चीज अगर खाने की।

- काबुलीवाले को 25 पैसे की मिर्च चाहिए थी।

उत्तर तो हमको दो तोल छीमियाँ फकत चार आने की।

चार आना

- चवन्नी मतलब चार आना।
  चार आना मतलब 25 पैसे।
  तो एक रुपए में कितने पैसे?
  अब बताओ–

उत्तर अठन्नी मतलब आठ आने।
इकन्नी मतलब एक आना।
दुअन्नी मतलब दो आने।

तुम कैसे पूछोगे?

- तुम बाज़ार गए। दुकानों में बहुत-सी चीज़ें रखी हैं। तुम्हें दूर से ही अपनी मनपसंद चीज़ का दाम पता करना है, पर तुम्हें उस चीज़ का नाम नहीं पता। **अब दुकानदार से दाम कैसे पूछोगे?**

उत्तर अपनी मनपसंद चीज की ओर इशारा करके दुकानदार से उसका दाम पूछेंगे।

बातचीत के लिए

- **काबुलीवाले ने मिर्च को स्वादिष्ट फल क्यों समझ लिया?**

उत्तर मिर्च लाल-लाल सुन्दर दिख रही थी। इसलिए काबुलीवाले ने उसको स्वादिष्ट समझ लिया।

- **सब्ज़ी बेचने वाली ने क्या सोचकर उसे झोली भर मिर्च दी होगी?**

उत्तर मिर्च सस्ती होगी।

- **सारी मिर्चें खाने के बाद काबुलीवाले की क्या हालत हुई होगी?**

उत्तर उसकी हालत बहुत खराब हो गई होगी। उसका पेट गड़बड़ हो गया होगा।

- **अगले दिन सब्ज़ी वाली टमाटर बेच रही थी। क्या काबुलीवाले ने टमाटर खाया होगा?**

उत्तर कतई नहीं।

आगे-पीछे

कुंजड़िन से बोला बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर

इस पंक्ति को ऐसे भी लिख सकते हैं–

बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर कुंजड़िन से बोला।

अब इसी तरह इन पंक्तियों को फिर से लिखो–

- हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की।

उत्तर हमको फकत चार आने की छीमियाँ तोल दो।

- वह खाता ही रहा मिर्च की छीमी को सिसियाते।

उत्तर वह मिर्च की छीमी को सिसियाते हुए ख़ाता रहा।

- जा तू अपनी राह सिपाही, मैं खाता हूँ पैसा।

उत्तर सिपाही, तू अपनी राह पर जा, मैं अपना पैसा खाता हूँ।

- एक काबुलीवाले की कहते हैं लोग कहानी।

उत्तर लोग एक काबुलीवाले की कहानी कहते हैं।

कविता करो

अपने मन से बनाकर एक कविता यहाँ लिखो।

उत्तर स्वयं करो।

मुँह में पानी

- लाल-लाल मिर्च देखकर काबुलीवाले के मुँह में पानी आ गया। तुम्हारे मुँह में किन चीज़ों को देखकर या सोचकर पानी आ जाता है?

उत्तर गुलाबजामुन गोलगप्पा छोले-भटूरे
चाऊमिन चॉकलेट फ्रेंच फ्राइज।